Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 18 July 2024

Dainik Jagran
Page - 02, 04

छात्र इसी सत्र से समझ सकेंगे नया कानून

विधि के नए पाठ्यक्रमों को बोर्ड आफ स्टडीज की मंजूरी, पाठ्यक्रम में होगा बदलाव

भारतीय विज्ञान एकेडमी के एसोसिएट चुने गए डा. अंबरीश

दीदउ गोवि में प्रवेश के लिए विदेश से आए 82 आवेदन

पारंपरिक गीतों से नई पीढ़ी को जोड़ना सराहनीय कार्य : प्रो. उषा सिंह

Amar Ujala
Page - 05

डीडीयू : विधि का बदला पाठ्यक्रम अब नए कानून की पढ़ाई करेंगे छात्र

इसी सत्र से पाठ्यक्रमों में बदलाव के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज की मंजूरी

82 विदेशी छात्रों ने डीडीयू में प्रवेश के लिए किया आवेदन

भारतीय विज्ञान एकेडमी के एसोसिएट बने डॉ. अंबरीश

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में भौतिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अंबरीश कुमार श्रीवास्तव को भारतीय विज्ञान एकेडमी के एसोसिएट के रूप में चुना गया है।

बंगलूरू में स्थित भारतीय विज्ञान एकेडमी, देश के तीन विज्ञान अकादमियों में से है। यह हर वर्ष देश के शीर्ष युवा वैज्ञानिकों में लगभग 30 को एक एसोसिएट के रूप में चुनती है जिनका कार्यकाल तीन वर्षों का होता है।

चुने गए एसोसिएट एकेडमी की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इनका चुनाव इनके शोध की गुणवत्ता एवं परिमाण के आधार पर किया जाता है। संवाद

Hindustan
Page - 04, 05

12 देशों के 82 छात्रों ने किया प्रवेश के लिए आवेदन

विधि के नए कोर्स को बोर्ड ऑफ स्टडीज की मंजूरी

डॉ. अम्बरीशकुमार बने आईएएस के एसोसिएट

प्रो. शिवाजी ने वैदिक सभ्यता के विस्तार पर किया शोध

Amar Ujala Select
Page - 04

डीडीयू में विधि का बदला पाठ्यक्रम

नए कानून की होगी पढ़ाई, पाठ्यक्रमों में बदलाव को बोर्ड ऑफ स्टडीज की मंजूरी

82 विदेशी छात्रों ने डीडीयू में प्रवेश के लिए किया आवेदन

भारतीय विज्ञान एकेडमी के एसोसिएट बने डॉ. अंबरीश श्रीवास्तव

Inext Page - 04

डीडीयू में प्रवेश के लिए विदेश से आए 82 आवेदन

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (17 July): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया चल रही है. रेट-2023 को छोड़कर अन्य सभी विषयों में प्रवेश के लिए परीक्षाएं हो गई हैं. इस बार गोवि में पढ़ाई के लिए विदेश से कुल 82 छात्रों ने आवेदन किया है. गोवि के इंटरनेशनल सेल के निदेशक डा. रामवंत गुप्ता ने बताया कि इनमें 72 छात्रों ने 'स्टडी इन इंडिया' पोर्टल के जरिए गोरखपुर विश्वविद्यालय को चुना है, जबकि 10 ने सीधे आवेदन किया है. सुपरन्यूमरिक कोटे से अंतरराष्ट्रीय छात्रों को गोवि में प्रवेश मिलेगा. नेपाल व बांग्लादेश से सर्वाधिक 35-35 आवेदन आए हैं. सेनेगल और नाइजीरिया से दो-दो आवेदन आए हैं. यूएसए, माली, घाना, अफगानिस्तान, लिसोथो, वेनेजुएला, इजीप्ट और श्रीलंका से एक-एक आवेदन आए हैं.

इसी सत्र से समझाएंगे नए कानूनों की बारीकि

डीडीयू में बनेगा भोजपुरी एक्सीलेंस रिसर्च सेंटर

Swatantra Chetna
Page - 05

विधि के नए पाठ्यक्रमों को बोर्ड ऑफ स्टडीज की मंजूरी

- बीए एलएलबी, एलएलबी व एलएलएम के बदल रहे पाठ्यक्रम
- नए कानून के अनुरूप सभी पाठ्यक्रम बदलने को स्वीकृति

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर।एक जुलाई से देश भर में लागू नए कानून को विद्यार्थी वर्तमान सत्र से ही समझ सकेंगे। इसके लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में बीए एलएलबी, एलएलबी और एलएलएम के पाठ्यक्रम बदले जा रहे हैं। नए पाठ्यक्रमों को बोर्ड ऑफ स्टडीज की सैद्धांतिक सहमति मिल गई है।

डीडीयू और सम्बद्ध कॉलेजों में पांच वर्षीय बीए एलएलबी और तीन वर्षीय एलएलबी की पढ़ाई होती है। एलएलएम की पढ़ाई सिर्फ डीडीयू में होती है। नया कानून बदल जाने के बाद वर्तमान सत्र 2024-25 से ही कोर्स बदले जाने का निर्णय विश्वविद्यालय प्रशासन ने लिया था। इसी क्रम में कोर्स डिजाइन करने के बाद सिंगल एजेंडा पर 16 जुलाई को बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक आयोजित हुई। इसमें नए पाठ्यक्रमों पर मुहर लग गई।

ये हैं नए कानून

भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) हो गया है। दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) बन गया है। इंडियन एविडेंस एक्ट अब भारतीय साक्ष्य अधिनियम होगा।

प्रथम वर्ष में होती है आईपीसी की पढ़ाई

डीन लॉ प्रो. अहमद नसीम ने बताया कि एलएलबी और बीए एलएलबी के प्रथम वर्ष में ही आईपीसी पढ़ाया जाता है। जो नए विद्यार्थी आएंगे, वे अब बीएनएस पढ़ेंगे। जो विद्यार्थी अगली कक्षाओं में गए हैं, वे भी नया कानून पढ़ेंगे। कक्षाएं शुरू होने के बाद वे कोर्स ही विद्यार्थियों को पढ़ाए जा रहे हैं जो पुराने और नए कानून में कॉमन हैं।प्रो. अहमद नसीम के मुताबिक जिन धाराओं की परिभाषा नहीं बदली है, उन्हें लागू करने में कोई मुश्किल नहीं है। किताबों में मैटेरियल और न्यायिक निर्णय मौजूद हैं, वहां सिर्फ धारा बदल देना है।

बार काउंसिल के निर्देशानुसार जो नए प्रावधान आए हैं, उनका कंटेंट जुटाया जा रहा है।कोर्स तैयार करने में विशेषज्ञों की भी मदद ली जा रही है। दूसरे विश्वविद्यालयों से भी चर्चा की गई है। नया पाठ्यक्रम प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की दृष्टि से भी बेहतर होगा।संबंध में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन का कहना है कि हमारी कोशिश छात्र हित में जल्द विधि के नए पाठ्यक्रम शुरू करने की है। यह विशेष परिस्थिति है। इसे देखते हुए विद्या परिषद और कार्य परिषद से मंजूरी की प्रत्याशा में कोर्स शुरू कराया जाएगा।

डा. अम्बरीश चुने गए भारतीय विज्ञान अकादमी के एसोसिएट

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर।डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय में भौतिकी विभाग के सहायक आचार्य डा. अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव भारतीय विज्ञान अकादमी के असोसिएट चुने गए हैं। बंगलोर में स्थित भारतीय विज्ञान अकादमी, देश के तीन विज्ञान अकादमियों में से है। यह प्रतिवर्ष देश के शीर्ष युवा वैज्ञानिकों में लगभग 30 को एक असोसिएट के रूप में चुनती है जिनका कार्यकाल 3 वर्षों के लिए होता है। ये असोसिएट अकादमी की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इनका चुनाव इनके शोध की गुणवत्ता एवं परिमाण के आधार पर किया जाता है। ज्ञात हो कि डा. श्रीवास्तव के 130 से ज्यादा शोधपत्र विभिन्न अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं एवं इनकी छठवीं पुस्तक हाल ही में प्रकाशित हुई है। डा. श्रीवास्तव को पिछले वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, प्रयागराज द्वारा नासी युवा वैज्ञानिक पुरस्कार भी प्रदान किया गया था।

बहराइच जिले में नानपारा कस्बे के डा. अम्बरीश लखनऊ वि.वि. से पीएच.डी. के बाद गोरखपुर वि.वि. में नेशनल पोस्टडाक्टोरल फेलो भी रह चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि पर कुलपति समेत पूरे विश्वविद्यालय परिवार तथा उनके गाइड प्रो. नीरज मिश्र एवं मेंटर प्रो. सुग्रीव नाथ तिवारी ने शुभकामनायें दी हैं। कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने बधाई देते हुए कहां की युवा शिक्षकों की इस तरह की उपलब्धियाँ विश्वविद्यालय के लिए काफी उत्साहजनक है। यह निश्चित ही विश्वविद्यालय की कीर्ति पूरे देश में फैलाता है।

सूचना- सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम ठअल्र्एएऊ से बदलकर NAHID HUSAIN KHAN रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना एवं पहचाना जाये।

नाहिद हुसैन खान
पति मो० हुसैन खान,
काजीपुर कला, नसेमनहाता,
जनपद गोरखपुर।